



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2008

HINDI HOME LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours

70 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 7 pages.
 2. Read the instruction to each question carefully.
 3. All answers must be written in the Hindi script.
 4. You may use the last 4 pages of the answer book for rough work. Strike off all rough work before handing in your answer book.
-

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए।

मनुष्य सबसे खतरनाक जीव है

देवेन्द्र मेवाड़ी

विशाल ब्रह्मांड में अब तक की खोजों से यही पता लगा है कि केवल हमारे इस अनोखे ग्रह पृथ्वी पर ही जीवन की धड़कन चल रही है। केवल पृथ्वी पर हमें जीवन की सौगात मिली है। वैज्ञानिकों का कहना है की पृथ्वी पर जीवों की लगभग ३ करोड़ जातियां हैं, जिनमें से हम अब तक केवल १५ लाख जातियों को पहचान पाये हैं। इन में से हरी वनस्पतियों और फफूंदियों की ३ लाख, कीट- पतंगों की ८ लाख, रीढ़धारी जीव —

जंतुओं की ४०,००० और सूक्ष्म जीवों की ३ लाख ६० हजार जातियां हैं। कीट- पतंगों की जातियां शायद एक करोड़ भी हो सकती हैं और पक्षियों की लगभग ९००० प्रजातियां होने का अनुमान है। हमारे देश में भी पेड़ — पौधों और प्राणियों की तमाम जातियां पहचानी गई हैं।

इधर वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि करोड़ों जीव जातियों की अनोखी विविधता से भरा संसार उजड़ रहा है। मनुष्य नामक नर-वानर ने विकास की अंधी दौड़ में जीव जातियों का अंधाधुंध सफाया कर दिया है, जिसके कारम कई जातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई हैं। विकास की सदियों लंबी यात्रा में मनुष्य ने प्रकृति का लगातार दोहन

किया है। न्यूजीलैंड का डोडो “डेड एज डोडो” मुहावरे में बदलकर शब्दकौशों में समा गया और हमारा बाघ ?

विश्व संरक्षण संघ यानी आई.यू.सी.एन हर वर्ष हमें चेतावनी दे रहा है कि हमारी जीव जातियां संकट में हैं। जीव - जातियां पर मंडरा रहे खतरे की सूचना देनेवाली यह सबसे विश्वसनीय संस्था मानी जाती है। यह प्रति वर्ष संकटग्रस्त जीव — जातियों की “लाल

सूची” जारी करती है जिससे पता लगता है कि विश्वभर में जीवों की कौन कौन सी जातियों के सिर पर विनाश के बादल मंडरा रहे हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि जीव- जातियों को सबसे अधिक जिस प्राणी से है, वह है - मनुष्य।

१. विशाल ब्रह्मांड में पृथ्वी क्यों अनोखा है ? २

२. पृथ्वी पर लगभग कितने जातियां हैं ? २

३. वैज्ञानिक ने क्या चेतावनी दी है ? ३

४. “लाल सूची” क्या है ? ३

५. सबसे खतरनाक कौन है ? २

६. चार जीव- जातियों के नाम लिखिए। ४

७. वनस्पतियों का अर्थ क्या है ? ३

८. हिन्दी में व्याख्या कीजिए :

८.१. “जीवन की धड़कन”। २

८.२. “डेड एज डोडो”। २

८.३. “संकटग्रस्त जीव”। २

९. जीव - जातियों को कैसे बचाना चाहिए। ५

{३०}

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए (१०)

जामुन का पेड़ और चींटी

किसी जंगल में एक जामुन का पेड़ था। एक दिन एक चींटी उसके पास आई। उसने बड़ी नम्रता से उस पेड़ से कहा “पेड़! मैं तुम्हारी जड़ के पास अपना घर बनाना चाहती हूँ। यह जगह बड़ी सुन्दर और अच्छी है। यहाँ हवा-पानी और तूफान से मेरी रक्षा होती रहेगी। इसलिए मैं तुझ से आज्ञा माँगती हूँ।”

उस वृक्ष ने बड़ी घृणा से उस छोटी चींटी की ओर देखा। उसने कहा - “चींटी, तू इतना छोटा जीव है। तेरा इस संसार में क्या काम है? तेरा तो मर जाना ही अच्छा है।”

पेड़ की घमण्ड भरी यह बात उस चींटी के दिल को चीर गयी। उसने पेड़ से बदला लेने की मन में ठान ली।

वह निराश नहीं हुई। वह अपने साथियों के बीच जाकर ऊँची आवाज़ में बोली - “हे साथियों हम छोटी हैं। दुनिया वाले हमें तुच्छ समझते हैं। पर यदि हम एक साथ मिल जायें तो हम बड़े से बड़ा काम कर सकती हैं।”

पेड़ द्वारा अपमान की बात सुनकर सब चींटियों के आत्म सम्मान को ठेस पहुँची। उन लोगों ने पेड़ को गिरा देने की प्रतिज्ञा की। रातों-रात हजारों चींटियाँ उस जामुन के पेड़ के नीचे आ गयीं। उन्होंने रात-दिन धीरे-धीरे उसकी जड़ के नीचे की ज़मीन खोदना शुरू किया। कुछ ही दिनों में देखते ही देखते जड़ के पास की सारी ज़मीन खोद ली गई। और एक दिन वह विशाल पेड़ धड़ाम से ज़मीन पर गिर पड़ा।

सचमुच एकता में बड़ा बल होता है। अपने से छोटे का कभी निरादर नहीं करना चाहिए।

प्रश्न ३

३.१. निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए। (१८)

जब करोड़ों की नज़रें आप पर हों तो... **तनाव**

हर इमोशन दिलो-दिमाग को निचोड़ देता था... **सिरदर्द**

बिना ड्रिप्लिकेट के फाइट सोन्स... शरीर जवाब दे जाता था... **थकान**

शिफ्ट पर शिफ्ट काम... नींद गायब... **अनिद्रा**

“...एक चमत्कार ने ३५ सालों से मेरा साथ निभाया- नवरत्न तैल”

Krishna

करोड़ों के दिल का शहंशाह अमिताभ। एक देशकीर्ति नगमा। कितना तनाव... कितनी भागवौड़? कैसे रखता है वह अपने आपको शान्त और तरोलजा।

“मेरी थकती नसों को ठंडक और आराम देता रहा है- नवरत्न तैल। सिरदर्द, टेंशन, दस्तदर्द और अनिद्रा ऐसे मायब जैसे कोई चमत्कार”। केरल, ब्राझी, पुदीना फूल आदि नौ असरदार जड़ीबूटियों का एक अनमोल मिश्रण। बालों के लिए भी अनूठा। ठंडा-ठंडा, कूल-कूल नवरत्न तैल आपकी दुनिया ही बदल देगा।

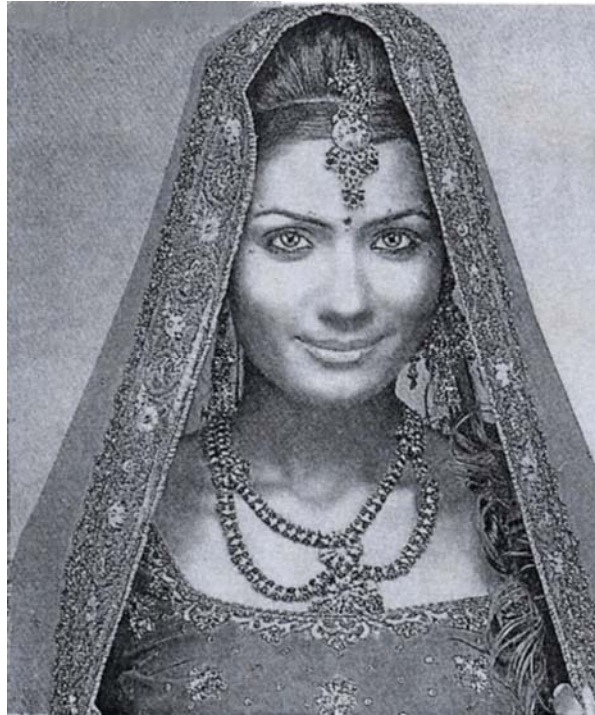
हिमाली नवरत्न तैल

एक आयुर्वेदिक औषधि

ठंडा ठंडा कूल कूल

- ३.१.१. यह एक चलचित्र या तैल का विज्ञापन है ? १
- ३.१.२. “...एक चमत्कार ने ३५ सालों से मेरा साथ निभाया – नवरत्न तैल” :
- ३.१.२.१. किस के साथ निभाया ? २
- ३.१.२.२. ये क्यों बड़े अक्षरों में है ? २
- ३.१.२.३. यह वाक्य आप में क्या जाग्रित करता है ? २
- ३.१.३. बोलिवाड का अभिनेता क्यों चुना गया है ? २
- ३.१.४. “तनाव , सरदर्द , थकान, अनिद्रा” इन चार शब्द किस के साथ विज्ञापन में प्रयोग किया जाता है और बताओं क्यों ? ३
- ३.१.५. तीन भावात्मक शब्द विज्ञापन से चुन कर लिखिए तथा उनके भावना भी बताई ?
६

३.२. निम्न चित्र को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए । (१२)



३.२.१. इस चित्र को देखकर आप क्या सोचते हैं निम्नलिखित शब्द के अनुसार लिखिए

३.२.१.१. भावना : २

३.२.१.२. घटना : २

३.२.२. सजावट के अनुसार यह लड़की कौन है । २

३.२.४. इस घटना में और कौन कौन होते हैं । सिर्फ चार नाम बताई । ४

३.२.५. यह लड़की क्या क्या आभूषण पहनती है । २

{३०}

[७०]